www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 141 | जौनपुर सोमवार, 05 जनवरी 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में निजी ईवी को साझा टैक्सी के रूप में चलाने की मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने निजी स्वामित्व वाले इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को साझा टैक्सी के रूप में चलाने की अनुमति देने पर सहमति जताई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कैब एग्रीगेटर कंपनियों ने एक महीने के भीतर साझा टैक्सी सेवाएं शुरू करने और महिला चालकों वाली टैक्सियां उतारने का भी भरोसा दिया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ओला, उबर सहित ऑटोमोबाइल निर्माताओं और एग्रीगेटर कंपनियों के साथ बैठक की, जिसमें रिंग रोड पर शटल सेवाएं शुरू करने का सुझाव दिया गया। बैठक में कंपनियों ने साझा टैक्सी सेवाएं शुरू करने पर सहमति जताई। एग्रीगेटर कंपनियों ने यह भी कहा कि वे निजी ईवी और बीएस–6 वाहनों को टैक्सी के रूप में शामिल करने के लिए तैयार हैं, लेकिन इसके लिए मौजूदा नियमों में बदलाव की आवश्यकता होगी।

उत्तराखंडउच्च न्यायालय ने कुंड बाईपास निर्माण को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया

उत्तराखंड, (एजेंसी)। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने रुद्रप्रयाग जिले के कुंड में निर्माणाधीन बाईपास से संबंधित एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी और निर्माण कार्य में लगी कार्यकारी संस्था को एक सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए। इस याचिका में सैमी धसारी गांव की तलहटी में और उसके आसपास तथा चार धाम यात्रा मार्ग पर स्थित केदारनाथ राजमार्ग पर पत्थर गिरने और निर्माण कार्य से निकलने वाले मलबे को मंदाकिनी नदी में फेंके जाने पर चिंता व्यक्त की गई है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की अदालत ने की। पीठ ने रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी और कार्यकारी एजेंसी को एक सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने को कहा। रुद्रप्रयाग जिले में सैमी धसारी गांव निवासी मदन सिंह बिष्ट ने उच्च न्यायालय में दायर याचिका में कहा कि कुंड में बाईपास के निर्माण के कारण पहाड़ की तलहटी में स्थित गांव के साथ–साथ केदारनाथ राजमार्ग पर भी पत्थर गिर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, निर्माण कार्य से उत्पन्न मलबा मंदाकिनी नदी में बहाया जा रहा है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य के दौरान कार्यकारी एजेंसी ने कोई सुरक्षा उपाय नहीं अपनाए हैं और न ही मलबे के निस्तारण के लिए कोई डंपिंग जोन बनाया गया है। याचिका में कहा गया है कि निर्माण कार्य के दौरान लगातार मलबा गिरने से केदारनाथ राजमार्ग और ग्रामीणों की सुरक्षा को गंभीर खन्तरा पैदा हो गया है। इस याचिका के माध्यम से उच्च न्यायालय से प्रार्थना की गई है कि वह निर्माण कार्य के दौरान ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त उपाय सुनिश्चित करने हेतु कार्यकारी एजेंसी को निर्देश जारी करे।

नरेंद्र मोदी ने पवित्र पिपरहवा अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया

नई दिल्ली।, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा, सवा सौ साल के इंतजार के बाद भारत की विरासत लौटी है, भारत की धरोहर लौटी है। आज से भारतीय जनमानस, भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों के दर्शन कर पाएगा, भगवान बुद्ध के आशीर्वाद ले पाएगा। मैं इस शुभ अवसर पर यहां मौजूद सभी अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन करता हूं। उन्होंने आगे कहा, 2026 के शुरुआत में ही यह शुभ उत्सव बहुत प्रेरणादायी है और मेरे लिए सौभाग्य

की बात है कि 2026 का ये मेरा पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है, जो भगवान बुद्ध की चरणों से शुरू हो रहा है। मेरी कामना है कि भगवान बुद्ध के आशीर्वाद से 2026 दुनिया के लिए शांति, समृद्धि और सद्भाव का नया दौर लेकर आए। जिस स्थान पर यह प्रदर्शनी लगी है वो भी अपने–आप में विशेष है। किला राय पिथौरा का यह स्थान भारत के गौरवशाली इतिहास की यशभूमि है। उन्होंने कहा, भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष को अपने बीच पाकर हम सभी धन्य हैं। इनका भारत से बाहर जाना और लौटकर फिर भारत आना... ये दोनों ही पड़ाव अपने–आप में बहुत बड़ा सबक है। सबक ये है कि गुलामी कोई राजनीतिक और आर्थिक नहीं होती, गुलामी हमारी विरासत को भी तबाह कर देती है। भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष के साथ भी यही हुआ। गुलामी के कालखंड में इन्हें भारत से छीना गया। तब से करीब सवा सौ साल तक ये देश से बाहर ही रहे हैं। इसलिए उन्होंने इन पवित्र अवशेषों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नीलाम करने का प्रयास किया। भारत के लिए तो भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष... हमारे आराध्य का ही एक अंश है, हमारी सभ्यता का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा, भगवान बुद्ध का ज्ञान, उनका दिखाया मार्ग... पूरी मानवता का है।

अमित शाह तीन–दिवसीय दौरे पर अंडमान पहुंचे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार रात तीन–दिवसीय दौरे पर अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह पहुंचे। शाह का विमान श्री विजयपुरम में वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित आईएनएस उत्क्रोश पर रात करीब 10 बजकर 45 मिनट पर उतरा। उपराज्यपाल डीके जोशी समेत अन्य लोगों ने उनका स्वागत किया। शाह शनिवार सुबह वंदूर में गृह मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अंडमान–निकोबार दौरे को सामरिक और विकासात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पोर्ट ब्लेयर पहुंचने पर उनका स्वागत उपराज्यपाल एडमिरल डी.के. जोशी (सेवानिवृत्त) और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। इस दौरान अमित शाह ने द्वीपसमूह की सुरक्षा व्यवस्था, बुनियादी ढांचे और केंद्र सरकार की विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। गृह मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, इस दौरे का उद्देश्य अंडमान–निकोबार की रणनीतिक सुरक्षा और प्रशासनिक समन्वय को और मजबूत करना है। अमित शाह ने सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक भी की, जिसमें समुद्री सुरक्षा, तटीय निगरानी और आपदा प्रबंधन से जुड़े मुद्दों पर

चर्चा हुई। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों के मद्देनजर द्वीपसमूह की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। गृह मंत्री ने निर्देश दिए कि सुरक्षा और विकास दोनों के बीच संतुलन बनाए रखते हुए योजनाओं को समय पर पूरा किया जाए। इसी दिन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में संघ की भूमिका को लेकर स्पष्ट और सशक्त बयान दिया। मोहन भागवत ने कहा कि आरएसएस का उद्देश्य सत्ता हासिल करना नहीं, बल्कि समाज को संगठित करना है।

राजनाथ सिंह दिल्ली विधानसभा में अटल बिहारी वाजपेयी और मदन मोहन मालवीय की तस्वीरों का अनावरण करेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को दिल्ली विधानसभा में श्भारत रत्नश अटल बिहारी वाजपेयी और पंडित मदन मोहन मालवीय के चित्रों का अनावरण करेंगे। दिल्ली विधानसभा के स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने अपने एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय हस्तियों के भारत के लोकतंत्र, शिक्षा, संस्कृति और सार्वजनिक जीवन में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के प्रति गहरे सम्मान और स्थायी श्रद्धांजलि के तौर पर ये चित्र विधानसभा भवन में लगाए जाएंगे। स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में श्भारत माताश नाम की एक कॉफी टेबल बुक भी लॉन्च की जाएगी, जिसमें पेंटिंग, वास्तुकला और साहित्य के माध्यम से भारतीय राष्ट्रवाद को दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रकाशन भारत की राष्ट्रीय चेतना की रचनात्मक और कलात्मक अभिव्यक्ति को समर्पित है और राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की रचना के 150 साल पूरे होने की याद में है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष पद्म भूषण राम बहादुर राय, दिल्ली के विधायी मामलों के मंत्री प्रवेश वर्मा और दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट भी शामिल होंगे। बताया गया कि कार्यक्रम में लगभग 1,000 लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।सभी संबंधित विभागों को एक सुरक्षित, व्यवस्थित और गरिमापूर्ण कार्यक्रम सुनिश्चित करने के लिए घनिष्ठ समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। राष्ट्रीय आयोजन के हिस्से के रूप में साहित्य कला परिषद के कलाकार भारत की समृद्ध कलात्मक और राष्ट्रीय विरासत को दर्शाने वाला एक देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे।

हमारी ग्राम पंचायतों की आत्मनिर्भरता से ही उत्तर प्रदेश बन सकता है आत्मनिर्भर : योगी आदित्यनाथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि यह राज्य तभी आत्मनिर्भर बन सकता है, जब हमारी ग्राम पंचायतें आत्मनिर्भर बनें। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी ने यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में पंचायतीराज विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर तभी बन सकता है, जब हमारी ग्राम पंचायतें आत्मनिर्भर बनें। योगी ने कहा कि ग्राम पंचायतों की आय को बढ़ाने के लिये कार्ययोजना बनाकर कार्य करना होगा। उन्होंने ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों में तेजी

लाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उत्सव भवन के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि उत्सव भवन का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर मांगलिक कार्यक्रम के लिए किया जाए। अन्य दिनों में उत्सव भवन का उपयोग योगध्वेलनेस से जुड़ी गतिविधियों के लिए किया जाए। बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने मातृभूमि योजना से उत्तर प्रदेश के प्रवासियों को जोड़ने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि योजना के तहत अपना सहयोग देने वाले प्रवासियों के पूर्वजों के नाम पर परियोजना का नाम रखा जाए। साथ ही, ऐसे प्रवासियों को प्रदेश स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया जाए, ताकि अन्य लोग भी उनसे प्रेरणा लें। बयान के अनुसार बैठक में मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में 9.67 लाख व्यक्तिगत शौचालय निर्माण का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष अब तक 4.79 लाख शौचालय निर्मित हो चुके हैं। इसी के साथ उत्तर प्रदेश पूरे देश में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण में पहले स्थान पर है।

अब बुजुर्गों को नहीं लगाने पड़ेंगे अस्पतालों के चक्कर, घर पर ही मिलेंगी स्वास्थ्य सेवाएं : नीतीश कुमार

पटना , (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की घोषणा की है। श्सात निश्चय–3य कार्यक्रम के सातवें निश्चय श्सबका सम्मान–जीवन आसानय के तहत अब राज्य के बुजुर्गों को घर बैठे आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे लाखों वरिष्ठ नागरिकों को अस्पतालों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। सीएम नीतीश कुमार ने शनिवार को यह जानकारी दी। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 24 नवंबर 2005 को राज्य में जब से हमलोगों की सरकार बनी तब से न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर चलते हुए

हमलोगों ने समाज के सभी वर्ग के लोगों के उत्थान एवं हर क्षेत्र के विकास के लिए काम किया है। हमलोगों ने पूरे बिहार को अपना परिवार माना है और सबके मान और सम्मान का पूरा ख्याल रखा है। अब राज्य में समाज के हर वर्ग के लोग सम्मान के साथ आसानी से जीवन व्यतीत कर सकें इसे लेकर हमलोगों ने गंभीरता से कार्य प्रारंभ कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने वर्ष 2025 से 2030 के लिए राज्य को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने हेतु सात निश्चय–3 के कार्यक्रमों को लागू किया है। सात निश्चय– 3 के सातवें निश्चय सबका सम्मान–जीवन आसानय (इज ऑफ लिविंग) का उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों के जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम करना तथा उनके जीवन को और भी आसान बनाना है। सीएम नीतीश ने कहा कि सबसे पहले हमलोगों की कोशिश है कि राज्य के जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को जरूरत के समय उनके घर पर ही अत्यावश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। इसके लिए सबसे पहले नर्सिंग सहायता की सुविधा घर पर मुहैया कराई जाएगी। साथ ही, पैथोलॉजी जांच जैसे ब्लड टेस्ट भी घर पर ही किए जा सकेंगे। ब्लड प्रेशर की जांच और ईसीजी जैसी महत्वपूर्ण जांचें भी अब बुजुर्गों के घर पहुंचकर उपलब्ध होंगी।

गौरव भाटिया ने ममता सरकार को घेरा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शुक्रवार को नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के तत्वावधान में जंगलराज फल–फूल रहा है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा, कल्पना कीजिए एक ऐसे मुख्यमंत्री की जिसने संविधान को बनाए रखने की शपथ ली है। लेकिन संविधान की रक्षा करने के बजाय, ममता बनर्जी भारत के गृह मंत्री अमित शाह को धमकी देती हैं, यह कहते हुए कि अगर वह चाहतीं, तो अमित शाह पश्चिम बंगाल में कदम भी नहीं रख पाते। वह न सिर्फ संविधान के अनुच्छेद 19 की भावना का उल्लंघन कर रही हैं, बल्कि वह खुलेआम भारत के गृह मंत्री को धमकी भी दे रही हैं।ष्उन्होंने कहा, ष्सोचिए, संविधान की मूल भावना, अनुच्छेद 19 कहता है कि हर नागरिक स्वतंत्र है, पूरे भारत में कहीं

भी जा सकता है। भारत की एक–एक इंच भूमि पर हक भारतीयों का है। तो ऐसा कैसे हो सकता है कि जिस मुख्यमंत्री ने संविधान की शपथ ली है, वही भारत के गृहमंत्री को धमकी देती हैं। यह किस तरह की धमकी है? क्या आप उनकी सुरक्षा और जान के बारे में बात कर रहे हैं? यह बेहद चिंताजनक और निंदनीय है।गौरव भाटिया ने कहा, जंगलराज, गुंडाराज ऐसा ही होता है। जहां ममता बनर्जी को लगता है कि रोहिंग्या उनका वोट बैंक हैं, उनके साथ ममता बनर्जी रिश्ता बनाए रखना चाहती हैं और गृहमंत्री को धमकी देती हैं, लेकिन जब बात भारत के गृह मंत्री की आती है, तो उन्हें अचानक दिक्कत होने लगती है। ममता बनर्जी ने यह हक खो दिया है कि वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनी रहें।ष्उन्होंने कहा कि यह कहना गलत नहीं होगा कि एक घबराई सी,

अनियमितताओं की जांच शुरू करने का दावा : अजित पवार

मुंबई, (एजेंसी)। निकाय चुनाव की सरगर्मियों के बीच महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने दागी उम्मीदवारों को बचाव किया है। एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने शुक्रवार को नगर निगम चुनावों में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को टिकट देने का औचित्य साबित करते हुए दावा किया कि उन पर स्वयं 70000 करोड़ रुपये के सिंचाई घोटाले को अंजाम देने के आरोप लगे थे। इसी के साथ उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक कोई दोषी साबित नहीं हो जाता, तब तक वह अपराधी नहीं होता। गुरुवार को केंद्रीय मंत्री और भाजपा

नेता मुरलीधर मोहोल ने आपराधिक संबंधों वाले व्यक्तियों को टिकट देने के लिए पवार की एनसीपी की आलोचना की थी। मोहोल को जवाब देते हुए पवार ने कहा कि सभी जानते हैं कि वह ऐसे तत्वों का कभी समर्थन नहीं करते। अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने अपने सहयोगी आरपीआई (सचिन खरात गुट) के माध्यम से सूर्यकांत उर्फ बंदू अंडेकर की बहू सोनाली अंडेकर और उनकी साली लक्ष्मी अंडेकर को टिकट दिया है। ये तीनों बंदू अंडेकर के पोते आयुष कोमकर की हत्या के आरोपी हैं और वर्तमान में जेल में हैं। एनसीपी ने 15 जनवरी को होने वाले पुणे और पिंपरी चिंचवड नगर निगम चुनावों में आरपीआई (सचिन खरात) के साथ गठबंधन किया है। पवार ने कहा, ष्मैं उन उम्मीदवारों की सूची तैयार करूंगा, जिन्हें एनसीपी और आरपीआई (सचिन खरात गुट) सहित अन्य गठबंधन सहयोगियों द्वारा टिकट दिए गए हैं। उन्होंने कहा, "सब जानते हैं कि मुझ पर 70,000 करोड़ रुपये के सिंचाई घोटाले के आरोप लगे थे। आज मैं उन लोगों के साथ सत्ता में हूं, जिन्होंने ये आरोप लगाए थे। क्या किसी व्यक्ति को दोष सिद्ध होने से पहले ही दोषी करार दिया जा सकता है?" पिंपरी चिंचवाड़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पवार ने स्थानीय नगर निकाय में अनियमितताओं का आरोप लगाया।

आरएसएस अर्धसैनिक संगठन नहीं, भाजपा को देखकर निष्कर्ष निकालना बड़ी भूल : मोहन भागवत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि वर्दी और शारीरिक अभ्यास के बावजूद संघ कोई अर्धसैनिक संगठन नहीं है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को देखकर आरएसएस के बारे में निष्कर्ष निकालने की कोशिश करना एक बड़ी भूल होगी। भागवत ने यहां प्रबुद्धजनों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज को एकजुट करने और उसमें आवश्यक गुण व सद्गुण विकसित करने का कार्य करता है, ताकि भारत दोबारा किसी विदेशी शक्ति के अधीन न जाए। उन्होंने कहा, ''हम वर्दी पहनते हैं, पथ संचलन करते हैं और दंड अभ्यास

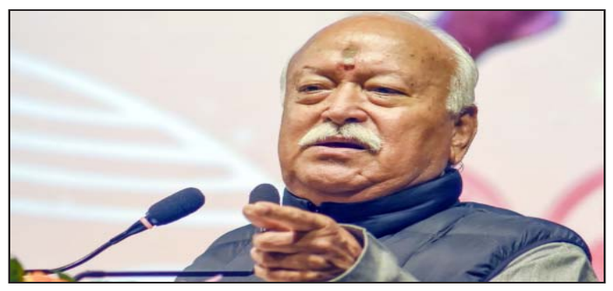

करते हैं। लेकिन अगर कोई इसे अर्धसैनिक संगठन समझता है तो यह भूल होगी।'' उन्होंने कहा कि संघ एक अनूठा संगठन है, जिसे समझना आसान नहीं है। भागवत ने कहा, ''अगर आप भाजपा को देखकर संघ को समझना चाहते हैं तो यह बहुत बड़ी गलती होगी। यही गलती तब भी होगी, जब आप विद्या भारती को देखकर संघ को समझने की कोशिश करेंगे।'' उल्लेखनीय है कि आरएसएस को जनसंघ और उसके उत्तराधिकारी सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का वैचारिक मूल संगठन माना जाता है। भागवत ने कहा कि संघ के खिलाफ एक ''झूठा विमर्श'' गढ़ा जा रहा है। उन्होंने कहा, "आजकल लोग सही जानकारी के लिए गहराई में नहीं जाते। वे स्रोत तक नहीं पहुंचते, बल्कि विकिपीडिया देख लेते हैं। वहां सब कुछ सही नहीं होता। जो भरोसेमंद स्रोतों तक जाएंगे, उन्हें संघ के बारे में सही जानकारी मिलेगी।'' भागवत ने कहा कि इन्हीं भ्रांतियों के कारण संघ की भूमिका और उद्देश्य को स्पष्ट करना आवश्यक हो गया है। उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान देशभर के उनके दौरे का उल्लेख करते हुए कहा कि आम धारणा है कि संघ का जन्म किसी प्रतिक्रिया या विरोध के रूप में हुआ, जबकि ऐसा नहीं है। आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''संघ किसी प्रतिक्रिया या विरोध में नहीं बना है। संघ किसी से प्रतिस्पर्धा भी नहीं करता।'' भागवत ने कहा कि अंग्रेज भारत पर आक्रमण करने वाले पहले लोग नहीं थे।

संपादकीय

जानलेवा पेयजल

यह शर्मनाक है कि जिस शहर को पिछले सात सालों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिया जा रहा था, वहां पेयजल में सीवर का पानी मिल जाने से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो जाए। बताया जाता है कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर के पानी के रिसाव से हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। घटनाक्रम के बाद सौ के करीब लोग अस्पताल में भर्ती हुए और सैकड़ों लोग दूषित पेयजल के उपयोग से बीमार हैं। वैसे भी किसी सभ्य समाज में व्यक्ति आत्मग्लानि से यह सुनकर बीमार हो जाएगा कि जिस पानी को उसने उपयोग किया, उसमें सीवर का गंदा पानी मिला था। निस्संदेह, यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही ही है, जिसके चलते हजारों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया। नगर निगम ही नहीं, इस महकमे से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, इंदौर लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करता रहा है तो इस दुर्घटना ने पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खी बना दिया। इस दुखद स्थिति के चलते मानवाधिकार आयोग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने के लिये बाध्य होना पड़ा। विडंबना यह है कि नागरिकों ने पहले ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत की थी, लेकिन नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये जवाबदेह अधिकारी तब हरकत में आए, जब कई लोगों की जान जा चुकी थी। यहां तक कि इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का महकमा आता है, उनकी संवेदनहीन बयानबाजी ने लोगों का आक्रोश बढ़ाया है। हालांकि, तल्ख आलोचना के बाद मंत्री ने खेद जताया है। यहां तक कि इस घटना के बाद मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी वरिष्ठ भाजपा नेत्री उमा भारती ने भी दोषियों से प्रायश्चित करने व दंड देने की मांग की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ छोटे स्तर के अधिकारियों के निलंबन और स्थानांतरण से इन मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों का प्रायश्चित हो पाएगा? लेकिन विडंबना है कि यह समस्या केवल इंदौर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के छोटे–बड़े शहरों में गाहे–बगाहे दूषित जल आपूर्ति के मामले प्रकाश में आते रहे हैं। दुर्घटना के बाद जांच समितियों का गठन, मुआवजे की घोषणा और कनिष्ठ अधिकारियों का निलंबन मामले में लीपापोती का उपक्रम बन चुका है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण' के मंत्र पर जोर दिया था। तब उन्होंने प्रक्रियाओं को सरल बनाने और जीवनयापन को सुगम बनाने के लिये प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया था। सवाल है कि जब नागरिकों को स्वच्छ हवा और जल जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रखा जाएगा तो जीवनयापन को सुगम कैसे बनाया जा सकता है? मध्य प्रदेश की दोहरे इंजन वाली सरकार इस मोर्चे पर पूरी तरह से विफल रही है। कोई भी बड़ी योजना व नारा तब तक अर्थहीन है जब तक उन्हें जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई का समर्थन प्राप्त न हो। सर्वोच्च न्यायालय ने बार–बार इस बात पर जोर दिया है कि स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार अनुच्छेद–21 के तरह जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है।

आस्था कोई भी हो मगर इंसान अच्छा हो

गोपाल

यदि हिंदू हूं तो अच्छा हिंदू बनूं, मुसलमान हूं तो बेहतर मुसलमान बनूं, ईसाई हूं तो अच्छा ईसाई बनूं। और यह अच्छा होने का मतलब है अच्छा इंसान होना। अच्छा इंसान यानी वह जो अपनी आस्था में पूरा विश्वास रखने के बावजूद दूसरे की आस्था का भी सम्मान करें। लगभग दो दशक पुरानी बात होगी। हमारे समय के एक महत्वपूर्ण संगीतकार खैयाम साहब के साथ कुछ समय बिताने का अवसर मिला था। दूरदर्शन पर एक कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग के बाद लौट रहे थे हम। उस कार्यक्रम में जो वे नहीं कह पाये थे, वही सब बता रहे थे वे। मेरी भूमिका तो सिर्फ श्रोता की थी। अचानक वह बोलते–बोलते रुक गये। कार की खिड़की से दायीं ओर देख रहे थे वे। उनके दोनों हाथ जुड़ गये थे। सिर झुक गया था उनका। मैंने देखा हमारी कार मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर के सामने से गुजर रही थी। 'आपके धर्म में तो मूर्तिपूजा मना है,' मैंने अनायास ही जैसे उनसे पूछ लिया। वे मुस्कुराये, 'आदत है,' उन्होंने कहा। और फिर इसके बाद हम हिंदू–मुस्लिम संबंधों पर बात करने लग गये थे। आज जब मैं यह लिख रहा हूं, अचानक मुझे खैयाम की यह बात याद आ गयी। इसके साथ ही एक और बात भी याद आ रही है। मेरी बेटी कान्वेंट स्कूल में पढ़ी हुई है। स्कूल छोड़े उसे दशकों बीत गये। पर अब भी जब वह अपने बचपन के स्कूल के सामने से गुजरती है तो अनायास उसके हाथ 'क्रॉस' बनाने की मुद्रा में हरकत करने लगते हैं। और अपनी बात करूंदृ मंदिर, मस्जिद, चर्च या गुरुद्वारे के सामने से गुजरते हुए मेरा सर भी, जैसे अपने आप झुक जाता है। और मैं यह भी जानता हूं कि पूजागृहों के प्रति यह रवैया सिर्फ खैयाम, मेरी बेटी, या मेरा ही नहीं हैदृ हम जैसे न जाने कितने हैं जो ऐसा करते हैं। और यह सब अनायास हो जाता है। लेकिन कैसे? इस सवाल का जवाब तो यही है कि ऐसा करने के लिए किसी ने हमें कहा नहीं। मैंने अपनी बेटी से यह कभी नहीं कहा कि वह ऐसा किया करे। आप चाहें तो इसे संस्कारों का परिणाम कह सकते हैं। यह तो संभव है कि मैंने बेटी से कभी यह कहा हो कि सब धर्म समान होते हैं, पर मुझे याद नहीं पड़ता मैंने कभी उसे समान मानने के लिए भी कहा हो। कम से कम मेरी तरफ से ऐसा कोई दबाव बच्चों पर नहीं डाला गया। मेरे

माता–पिता ने भी कभी ऐसा कोई दबाव हम भाई–बहनों पर नहीं डाला। उस दिन सिद्धिविनायक मंदिर के सामने से गुजरते हुए खैयाम साहब का अनजाने में ही सिर झुकाना भी किसी दबाव का परिणाम नहीं था। उन्होंने बताया था कि वे न जाने कब से ऐसा करते आ रहे हैं, और यह भी बताया था उन्होंने कि 'पूजागृह के सामने सिर झुकाता हूं तो ऐसा लगता है जैसे कोई आशीर्वाद का हाथ मेरे सिर पर धरा गया है।' सच है, आशीर्वाद का यह अहसास मंदिर, मस्जिद, चर्च, या गुरुद्वारा, सब देते हैं। और सब धर्मों का आदर करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। सर्व धर्म समभाव की संस्कृति है हमारी। हमारा धर्म, यानी हिंदू धर्म, हमें यह सिखाता है कि चाहे ईश्वर कहें या खुदा, गॉड कहें या एक ओंकार, अलग–अलग रास्ते हो सकते हैं, पर पहुंचते सभी एक ही जगह हैंदृ पहुंचाते सभी एक ही जगह हैं हमें यह अलग–अलग रास्ते! जैन धर्म का एक सिद्धांत हैदृ अनेकांत वाद। यह विचार हमें समझाता है कि मैं सही हूं, पर तुम भी सही हो सकते हो। इतनी–सी बात यदि हम समझ लेते हैं तो फिर कोई विवाद बचता ही नहीं है। ईश्वर एक है फिर मेरा ईश्वर तुम्हारे ईश्वर से भिन्न या बेहतर कैसे हो सकता है? बस इतनी–सी बात समझने की आवश्यकता है कि हमारा अलग–अलग धर्म का होना एक संयोग मात्र है। मैं किसी एक धर्म में विश्वास करने वाले परिवार में पैदा हुआ इसमें मेरा कोई योगदान नहीं है। मेरे माता–पिता हिंदू थे, इसलिए मैं भी हिंदू हो गया, वे मुसलमान होते तो मैं आरती की जगह नमाज पढ़ रहा होता। इस संदर्भ में मेरी कोई भूमिका हो सकती है तो वह यही है कि यदि हिंदू हूं तो अच्छा हिंदू बनूं, मुसलमान हूं तो बेहतर मुसलमान बनूं, ईसाई हूं तो अच्छा ईसाई बनूं। और यह अच्छा होने का मतलब है अच्छा इंसान होना। अच्छा इंसान यानी वह जो अपनी आस्था में पूरा विश्वास रखने के बावजूद दूसरे की आस्था का भी सम्मान करें। यहीं गड़बड़ हो रही है। हम अपनी आस्था की चिंता तो करते हैं पर दूसरे की आस्था को कुछ नहीं समझते। इसी का परिणाम है कि आज पंथ–निरपेक्षता में विश्वास करने वाले हमारे भारत में धर्म के नाम पर आये दिन झगड़े–फसाद होते रहते हैं। हमारा संविधान हर भारतीय को अपनी आस्था के अनुसार धार्मिक क्रिया–कलाप की स्वतंत्रता का अधिकार देता है। यही नहीं, हमारा संविधान हमें अपनी आस्था अपने धर्म के प्रचार–प्रसार का भी अधिकार देता है। शर्त सिर्फ यह है कि कोई नागरिक अपने अधिकार की सीमाओं को न लांघे। ये सीमाएं भी परिभाषित हैं हमारे संविधान मेंदृ सब नागरिक समान हैं, कोई नागरिक किसी दूसरे को अपने धर्म की ओर आकृष्ट करने के लिए किसी प्रकार का लालच अथवा दबाव काम में नहीं ले सकता। पर अक्सर हम अपनी सीमाओं का अतिक्रमण कर जाते हैंदृऔर इसके लिए दोषी दूसरे को ठहराते हैं। धर्म के नाम पर आज जो गड़बड़ियां हो रही हैं, वे इसी अतिक्रमण का परिणाम हैं। ऐसे ही अतिक्रमण का उदाहरण इस बार क्रिसमस के अवसर पर दिखा। देश के अलग–अलग हिस्सों में चर्चों पर, ईसाइयों पर दुर्भाग्यपूर्ण प्रतिक्रिया हुई। दंगा करने वाले को यह भी स्वीकार नहीं था कि सांताक्लाज की टोपियां बेचकर कोई अपना पेट भरने के लिए कुछ कमा ले। हद तो यह भी हुई कि चर्चों के सामने जाकर हनुमान चालीसा का पाठ किया गया! क्रिसमस के आयोजनों के संदर्भ में हुए विवाद और झगड़े हैरान भी करते हैं और दुखी भी। एक ओर तो हमारे प्रधानमंत्री क्रिसमस के अवसर पर चर्च में जाकर ईसाइयों की पूजा–अर्चना में भाग लेते हैं, धार्मिक भाईचारे का संदेश देने का प्रयास करते हैं, और दूसरी ओर कुछ कथित धार्मिक संगठन क्रिसमस के रंग में भंग डालने का खुलेआम अपराध करते हैं। ऐसे कुकृत्य के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं, जिन्हें देखकर हर विवेकशील नागरिक को शर्म आ जाये। शर्म आनी चाहिए कहना, ज़्यादा सही होगा। हमारा भारत, बहुधर्मी है, बहु जातीय और बहुभाषी भी। यह विविधता हमारी विशेषता ही नहीं, हमारी ताकत भी है। इस विविधता पर अभिमान होना चाहिए हमें। पर धर्म के नाम पर जिस तरह एक–दूसरे को नीचा दिखाने या कम भारतीय समझने की गतिविधियां हो रही हैं।

नयी शिक्षा नीति के समक्ष मौजूद कानूनी बाधाएं

जगदीश

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति युवा पीढ़ी की तकदीर बदलने की दिशा में बड़ा कदम है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों ने एनईपी के प्रावधानों को सबसे पहले अपनाया व शैक्षणिक ढांचे और पाठ्यक्रम में परिवर्तन किए। यह प्रमाण है कि अकादमिक स्वतंत्रता से सरकारी संस्थान भी नवाचार के केंद्र बन सकते हैं। बशर्ते कानूनी बाधाओं को दूर किया जाये। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 केवल एक सरकारी दस्तावेज नहीं, बल्कि यह 21वीं सदी के बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की नई आकांक्षाओं का जीवंत प्रतिबिंब है। 34 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद आई यह नीति शिक्षा जगत में उस 'पैराडाइम शिफ्ट' की वकालत करती है, जिसका इंतजार भारत का युवा और बौद्धिक वर्ग दशकों से कर रहा था। यह नीति जहां एक ओर लचीलेपन, कौशल विकास और बहुविषयक दृष्टिकोण के माध्यम से भारत को 'विश्व गुरु' बनाने का स्वप्न देखती है, वहीं इसे जमीनी स्तर पर लागू करने की राह में कई सूक्ष्म प्रशासनिक और कानूनी जटिलताएं भी मौजूद हैं। इस नीति की वास्तविक सफलता और विफलता के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी इसका 'कानूनी कार्यान्वयन' है। इस वैचारिक यात्रा में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों ने प्रेरणादायक पहल की है। जब देश के कई राज्य और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय इस नीति के जटिल नियमों और बदलावों को समझने की जद्दोजहद में उलझे थे, तब कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने दूरदर्शिता का परिचय दिया। यह समझा कि कोई भी नीति तब तक सफल नहीं हो सकती जब तक उसे जमीनी वास्तविकता से न जोड़ा जाए। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय देश के उन अग्रणी संस्थानों में शामिल हुआ, जिसने एनईपी के प्रावधानों को सबसे पहले अपनाया व अपने शैक्षणिक ढांचे और पाठ्यक्रम में आमूलचूल परिवर्तन किए। परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय को एनईपी के सफल क्रियान्वयन के लिए 'प्लेटिनम अवार्ड' से नवाजा गया। शिक्षा जगत में प्रायः एनईपी के शैक्षणिक लाभों जैसे रटने की प्रवृत्ति से मुक्ति और कौशल आधारित शिक्षा – पर व्यापक चर्चा होती है, लेकिन इसके 'कानूनी पेचों' पर खामोशी बरती जाती है। इन 'साइलेंट' समस्याओं को सुलझाए बिना नीति का पूर्ण लाभ मिलना दुष्कर है। सबसे बड़ी चुनौती 'संवैधानिक विरोधाभास' की है। संविधान के अनुसार शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है। जब केंद्र सरकार एक राष्ट्रीय नीति लागू करती है, तो राज्यों के अपने विश्वविद्यालय अधिनियमों के साथ उसका स्वाभाविक टकराव होता है। मसलन, एनईपी 'मल्टीपल एंट्री और एग्जिट' की सुविधा देती है। कानूनन, यदि एक छात्र एक राज्य के विश्वविद्यालय से एक वर्ष बाद सर्टिफिकेट लेकर निकलता है और दूसरे राज्य के विश्वविद्यालय में डिप्लोमा में प्रवेश चाहता है, तो दोनों राज्यों के नियमों में भिन्नता छात्र का भविष्य संकट में डाल सकती है। इस 'क्रेडिट ट्रांसफर' की कोई ठोस कानूनी गारंटी स्पष्ट नहीं है। दूसरा महत्वपूर्ण और मौन मुद्दा 'स्वायत्तता बनाम नियंत्रण' का है। नीति कॉलेजों को ग्रेडेड स्वायत्तता देने का प्रस्ताव करती है, लेकिन प्रस्तावित भारतीय उच्च शिक्षा आयोग के तहत चार अलग–अलग वर्टिकल – नियमन, मान्यता, वित्त पोषण और मानक निर्धारण – कैसे एक–दूसरे के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप किए बिना काम करेंगे, यह एक कानूनी भूलभुलैया बनी हुई है। यहां शक्ति के केंद्रीकरण का अंदेशा भी रहता है, जो लंबी कानूनी लड़ाइयों और मुकदमों का कारण बन सकता है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल संप्रभुता और डेटा सुरक्षा एक गंभीर पहलू है जिस पर पर्याप्त बहस की आवश्यकता है। 'एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स' और डिजिटल लॉकर के माध्यम से करोड़ों छात्रों का संवेदनशील शैक्षणिक इतिहास ऑनलाइन उपलब्ध होगा।

..... विविध/स्वास्थ्य .....

नवजात बच्चों की मसाज करतें समय कहीं आप भी तो नहीं कर रहें ये 7 गलतियां

सर्दियों में नवजात और छोटे बच्चों की देखभाल पेरेंट्स के लिए और भी जरूरी हो जाती है। ठंडी हवा, ड्राय स्किन और बॉडी स्टिफनेस के कारण बच्चे असहज महसूस कर सकते हैं। इस समय बेबी मसाज बेहद फायदेमंद होती है। यह न केवल स्किन और मांसपेशियों के लिए अच्छी है, बल्कि ब्लड सर्कुलेशन और बॉडी वॉर्मथ को भी बेहतर बनाती है। लेकिन कई बार पेरेंट्स छोटी–छोटी गलतियां कर देते हैं, जो बच्चे के लिए नुकसानदेह हो सकती हैं। आइए जानते हैं सर्दियों में बेबी मसाज करते समय होने वाली 7 बड़ी गलतियां।

नहलाने के बाद मसाज करना

सर्दियों में बच्चे को पहले नहलाकर फिर मसाज करना आम गलती है। इससे बच्चा ठंड पकड़ सकता है और उसे आराम महसूस नहीं होगा।

सही तरीका– पहले हल्के गुनगुने तेल से मसाज करें, और लगभग 20–30 मिनट बाद नहलाएं। इससे बॉडी को गर्माहट मिलती है और बच्चा रिलैक्स रहता है।

ठंडा तेल इस्तेमाल करना

बोतल से सीधे तेल लगाना बच्चे की स्किन पर असहज महसूस करा सकता है और वह रोने लगेगा।

सही तरीका– तेल को हल्का सा गर्म करें। ज्यादा गर्म न करें। उंगली से चेक करने पर हल्का वॉर्म महसूस होना चाहिए।

जोर लगाकर मसाज करना

कुछ पेरेंट्स सोचते हैं कि ज्यादा दबाव देने से हड्डियां मजबूत होंगी, लेकिन यह मिथ है।

सही तरीका– हल्के हाथों से मसाज करें, खासकर जोइंट्स के पास सर्कुलर मोशन में। ज्यादा दबाव से स्किन पर निशान या दर्द हो सकता है।

गलत पोजिशन में मसाज

बच्चे की गर्दन पकड़कर हवा में लटकाना या हाथ–पैर जोर से खींचना बिल्कुल गलत है।

सही तरीर्का– बच्चा हमेशा सपाट और सॉफ्ट सतह पर रहे, जैसे मसाज मैट या मोटा बेडशीट।

मसाज और नहलाने के बीच ज्यादा गैप रखना

मसाज और नहलाने के बीच लंबा समय बच्चे की स्किन के लिए ठीक नहीं।

सही तरीका– मसाज के 20–30 मिनट बाद नहलाएं और नहलाने के तुरंत बाद मॉइस्चराइजर लगाएं। इससे स्किन का नैचुरल हाइड्रेशन लॉक हो जाता है।

ठंडे कमरे में मसाज

ठंडे कमरे में मसाज करने से बच्चा ठिठुर सकता है और मसाज का फायदा उल्टा हो सकता है।

सही तरीका– मसाज से 15 मिनट पहले कमरे को वॉर्म करें। ड्राफ्ट या ठंडी हवा न आने दें।

गलत तेल का चुनाव

हर तेल बच्चे की स्किन के लिए सही नहीं होता।

सही तरीका– नेचुरल और बेबी–फ्रेंडली तेल इस्तेमाल करें। सर्दियों में सरसों, नारियल और बादाम का तेल बेहतर माने जाते हैं। अगर कोई रिएक्शन हो तो तुरंत रोकें और डॉक्टर से सलाह लें।

सर्दियों में सही तरीका अपनाकर बेबी मसाज करने से बच्चा आरामदायक, स्वस्थ और खुश रहता है। हल्के हाथ, सही तापमान और नेचुरल तेल का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। छोटी–छोटी सावधानियां बच्चे की सुरक्षा और स्किन हेल्थ दोनों के लिए मददगार होती हैं।

पौष पूर्णिमा पर करें इन चीजों का दान, घर में सुख–समृद्धि का होगा वास

वार्षिक माघ मेला 2026 शनिवार को प्रयागराज में पवित्र संगम पर शुरू हो गया है, जिसमें लाखों श्रद्धालु पौष पूर्णिमा के अवसर पर पहला पवित्र स्नान कर रहे हैं। पौष पूर्णिमा के पावन पर्व पर संगम की त्रिवेणी में स्नान और दान का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आज मां लक्ष्मी का विशेष पूजन करने से सारी दरिद्रता दूर होती है और घर में सुख–समृद्धि का वास होता है। खास बात यह है कि आज कुछ विशेष चीजों का दान करने से दोगुना पुण्य फल मिलने की मान्यता है।

पौष पूर्णिमा को दान, स्नान और पूजन का विशेष दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन मां लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और जो भक्त सच्चे मन से उनकी आराधना करता है, उसके जीवन से आर्थिक संकट दूर होता है। शास्त्रों के अनुसारपौष पूर्णिमा पर किया गया छोटा सा उपाय भी बड़ा फल देता है।

पौष पूर्णिमा की पूजा की विधि

सुबह स्नान करके साफ वस्त्र पहनें। घर के मंदिर में मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की तस्वीर या प्रतिमा रखें। घी का दीपक जलाएं। मां लक्ष्मी को कमल का फूल या गुलाबी फूल अर्पित करें। "श्रीं महालक्ष्म्यै नमः" मंत्र का 108 बार जाप करें। इस सरल पूजन से भी मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। पूजन के समय मां को खीर, बताशे ,मिश्री, सफेद मिठाई या फल का भोग लगाएं। मान्यता है कि सफेद रंग के भोग मां लक्ष्मी को विशेष प्रिय होते हैं।

आज करें इन चीजों का दान

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पौष पूर्णिमा पर किए गए दान दरिद्रता को दूर करते हैं। इस दिन किसी जरूरमंद को चावल, गेहूं या दाल दान में दें। इससे घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती। गरीबों को गर्म कपड़े या कंबल दान करें। यह दान आर्थिक परेशानियों को कम करता है। इस दिन दूध, मिश्री या सफेद मिठाई का दान करने से मां लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। तिल–गुड़ का दान करने से पितृ दोष और आर्थिक बाधाएं दूर होती हैं। दान करते समय थोड़ी सी दक्षिणा जरूर दें। इससे दान का पुण्य दोगुना माना जाता है

घर में धन वृद्धि के लिए खास उपाय

आज के दिन घर की तिजोरी या पैसे रखने की जगह साफ करें। वहां लाल कपड़े में थोड़े से चावल और हल्दी रखें। शाम के समय घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाएं। माना जाता है कि इससे धन का आगमन बना रहता है। मां लक्ष्मी का सच्चे मन से पूजन और दानआपके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। आज किए गए छोटे–छोटे उपाय दरिद्रता को दूर कर सुख–समृद्धि का मार्ग खोल सकते हैं।

हेल्दी रहना है तो चावल खाना छोड़ दें या नहीं

अच्छी सेहत के लिए खान–पान में सुधार करना जरूरी हो जाता है। हमें आहार में उन चीजों की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए जिससे शरीर को आवश्यक अधिकतर पोषक तत्वों की आसानी से पूर्ति हो सके। जिन लोगों का खान–पान ठीक रहता है उनमें मोटापा, डायबिटीज, हृदय रोग और कमजोरी जैसी समस्याओं का खतरा कम देखा गया है। हालांकि फास्ट फूड और प्रोसेस्ड भोजन की आदत सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचा रही है जिसे लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहना चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं भोजन की थाली में उन चीजों की पर्याप्त मात्रा जरूर होनी चाहिए, जिससे प्रोटीन, विटामिन्स और कार्बोहाइड्रेट की पूर्ति हो सके। प्रोटीन मांसपेशियों को मजबूत बनाने, कोशिकाओं की मरम्मत करने और इम्यून सिस्टम को बेहतर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वहीं तमाम प्रकार के विटामिन्स आंखों, दिल और लिवर से लेकर हड्डियों तक के लिए जरूरी हैं।

आहार में कार्बोहाइड्रेट भी जरूरी

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, कार्बोहाइड्रेट को अक्सर हम लोग नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि यह शरीर की ऊर्जा का मुख्य स्रोत है। रोटी, चावल, दलिया, ओट्स और साबुत अनाज से मिलने वाला कार्बोहाइड्रेट शरीर को दिनभर काम करने की ताकत देता है। हालांकि इसकी अधिकता वजन बढ़ाने वाली और डायबिटीज का कारण भी हो सकती है।

तो क्या चावल खाना बिल्कुल छोड़ देना चाहिए?

चावल, कार्बोहाइड्रेट का प्रमुख स्रोत है। चावल खाने से शरीर को कैलोरी मिलती है जिससे थकान कम होती है और दिनभर काम करने की क्षमता बनी रहती है। इसके अलावा चावल में थोड़ी मात्रा में प्रोटीन, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स और मिनरल्स भी पाए जाते हैं, जो मेटाबॉलिज्म को बेहतर रखने में मदद करते हैं। हालांकि इसका अधिक सेवन सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

चावल खाने से क्या दिक्कतें होती हैं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सफेद चावल में फाइबर कम होता है और इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी ज्यादा होता है, जिसका मतलब है कि यह ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ा सकता है। ज्यादा सफेद चावल खाने से डायबिटीज टाइप–2 का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा ज्यादा चावल खाने से वजन बढ़ने की आशंका भी रहती है, क्योंकि इसमें कैलोरी अधिक होती है। कुछ अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि लगातार ज्यादा मात्रा में सफेद चावल खाने से पेट की चर्बी बढ़ सकती है। यदि चावल के साथ प्रोटीन और फाइबर न लिया जाए, तो यह पोषक तत्वों की कमी भी पैदा कर सकता है।

क्या चावल छोड़ देना चाहिए?

अक्सर लोग वजन घटाने या शुगर कंट्रोल करने के लिए चावल पूरी तरह छोड़ने की सोचते हैं, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार यह जरूरी नहीं है। सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस बेहतर विकल्प माने जाते हैं, क्योंकि इनमें फाइबर और पोषक तत्व ज्यादा होते हैं। अगर चावल को संतुलित मात्रा में सेवन किया जाए तो ये नुकसानदायक नहीं माना जाता है।

भीषण शीतलहर की चपेट में प्रदेश, लखनऊ सहित इन 34 जिलों के लिए जारी हुई चेतावनी

लखनऊ, (संवाददाता)। पूरा यूपी भीषण सर्दी की चपेट में है। शनिवार को दिन की शुरूआत कोहरे और गलन के साथ हुई। विक्षोभ के कमजोर पड़ते ही सर्द पछुआ ने सर उठाया और शुक्रवार को दिन में प्रदेश के कई जिलों में कड़ाके की ठंड पड़ी। कोहरे के प्रकोप और दिन में 10 से 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गलन भरी पछुआ ने लोगों की परेशानी बढ़ाई। जिन इलाकों में धूप हुई, वहां भी गलन हावी रही।मौसम विभाग का कहना है कि पहाड़ों से आ रही पछुआ के असर से प्रदेश भर में अगले तीन दिनों में दिन व रात के तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी शुक्रवार को 6 न्यूनतम तापमान के साथ बाराबंकी और हरदोई प्रदेश में सबसे ठंडे रहे। वहीं 13.3 डिग्री के साथ बरेली में सबसे ठंडा दिन रहा। घने कोहरे की वजह से कानपुर, आगरा, गोरखपुर, अमेठी आदि में सुबह दृश्यता शून्य हो गई। शनिवार के लिए तराई और पूर्वी –दक्षिणी यूपी के 34 जिलों में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के आठ जिलों में शीत दिवस होने की आशंका जताई गई है। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डा. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि यूपी में शुक्रवार को विक्षोभ के कमजोर पड़ने और सर्द पछुआ के असर से अब रातों में पारा गिरना शुरू होगा। अगले तीन दिनों में दिन व रात के तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी। बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, गाजीपुर, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में। बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी व आसपास के इलाकों में । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आईसीएसई, सीबीएसई और यूपी बोर्ड के 12वीं तक के सभी स्कूलों को पांच जनवरी तक बंद करने का आदेश दिया है। प्रदेश में इस समय अधिकतर जिले शीतलहर की चपेट में हैं।

कड़ाके की सर्दी में भगवान भी ऊनी वस्त्रों में

लखनऊ, (संवाददाता)। शीतलहर और घने कोहरे ने राजधानी को ठिठुरा दिया है। ठंड का असर अब मंदिरों में भी दिखने लगा है। अपने आराध्य को सर्दी से बचाने के लिए शहर के मंदिरों में विशेष शीतकालीन शृंगार किया गया। गर्भगृहों में मंत्रों के साथ ऊनी और मखमली वस्त्रों की गर्माहट भी घुलती नजर आई। आस्था के इन केंद्रों में भक्त और भगवान के बीच मानवीय भाव का अनोखा दृश्य देखने को मिला। प्रसिद्ध हनुमान सेतु मंदिर में बाबा नीब करौरी के प्रिय हनुमान जी का विशेष शीतकालीन शृंगार किया गया। मंदिर के सचिव दिवाकर त्रिपाठी के अनुसार, बाबा को गर्म दुपट्टा और गोटा लगी विशेष धोती धारण कराई गई। इस स्वरूप के दर्शन के लिए सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। सुशांत गोल्फ सिटी स्थित इस्कॉन मंदिर में राधाकृष्ण को रंग–बिरंगे ऊनी वस्त्रों और गर्म टोपियों से सजाया गया। मंदिर अध्यक्ष अपरिमेय श्याम दास ने बताया कि शृंगार भगवान की सेवा का अभिन्न अंग है, जिसे देख श्रद्धालु भाव–विभोर हो उठते हैं। राजेंद्रनगर स्थित महाकाल मंदिर में 'श्मशानवासी' महादेव को प्रेमपूर्वक कंबल ओढ़ाया गया। मुख्य पुजारी अतुल मिश्र ने बताया कि कड़ाके की ठंड में भगवान को गर्म वस्त्र अर्पित करना प्राचीन परंपरा है, जो भक्त और भगवान के रिश्ते को परिवार जैसा बनाती है। गोमती तट स्थित हनुमत धाम में प्रभु श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण जी को विशेष मखमली वस्त्र पहनाए गए। मुख्य पुजारी राम सेवकदास के सानिध्य में हुए इस शृंगार से दरबार की भव्यता और बढ़ गई। ठंड के चलते मंदिरों की दिनचर्या और गर्भगृह की सजावट में बदलाव किया गया है। शृंगार में लाल, केसरिया और पीले जैसे गर्म रंगों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

बलात्कार व हत्या पीड़ित परिवार से मिलकर हाजी पूर्व विधायक दीमिया ने बंधाया ढांढस

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। कोतवाली नगर क्षेत्र मे पोस्टमार्टम हाउस के पास एक गरीब परिवार की मासूम बच्ची के साथ हुए बलात्कार और फिर उसकी निर्मम हत्या की घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए रूदौली विधानसभा से समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक दीमिया ने इसे अत्यंत हृदयविदारक और शर्मसार करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि यह जघन्य घटना न केवल समाज की आत्मा को झकझोर देने वाली है, बल्कि कानून–व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती है। पूर्व विधायक दीमिया ने बताया कि वह स्वयं पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाने पहुंचे और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने सरकार से मांग की कि पीड़ित परिवार को कम से कम पच्चीस लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए, ताकि परिवार को इस कठिन समय में कुछ सहारा मिल सके। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की अमानवीय घटनाएं मानवता को कलंकित करती हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई कर कठोर सजा सुनिश्चित की जानी चाहिए। इस मौके पर सपा नेता एजाज अहमद, पूर्व महानगर अध्यक्ष मोहम्मद कमर राईन, पार्षद अपील अहमद उर्फ बब्लू, पूर्व पार्षद फरीद कुरैशी, मोहम्मद आसिफ उर्फ चांद, पार्षद इरशाद अहमद इदरीस, प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

किशोरी हत्या की गुत्थी अभी तक नहीं सुलझा सकी पुलिस, एसपी सिटी के मुताबिक शीघ्र होगा खुलाशा

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या।शनिवार की शाम कोतवाली नगर क्षेत्र में कैंट रेलवे स्टेशन के समीप पोस्टमार्टम हाउस के सामने बने नाले में मिली किशोरी की हत्या का खुलासा अभी तक पुलिस नहीं कर सकी है।इस संबंध में पुलिस कुछ लोगों से पूछताछ कर रही है। बताते चलें कि शनिवार की शाम कोतवाली नगर क्षेत्र के पोस्टमार्टम हाउस के सामने बने नाले में 17 साल की नाबालिग किशोरी का शव किशोरी का शव झाड़ियों के बीच रेलवे लाइन किनारे नाले में पड़ा था।शव सब मिलने की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दिया था।इसकी सूचना पाकर पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकलवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा था।

स्थानीय लोगों के साथ–साथ पुलिस ने शव को आपत्तिजनक स्थिति में देखकर दुष्कर्म की आशंका जताई थी।शव के किशोरी के कपड़े फटे हुए थे,जबकि दुपट्टा शव से कुछ दूरी पर पड़ा मिला।गले के पास भी निशान पाए गए है।इस संबंध मे एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में किशोरी के साथ रेप की पुष्टि नहीं हुई है पुलिस कुछ लोगों को अंतिम तैयारी हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है और शीघ्र घटना का अनावरण हो जाएगा और इसमें शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

छात्रावास की व्यवस्था सुधरेगी, भोजन की गुणवत्ता बढ़ाने के निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। मोहान रोड स्थित राजकीय दृष्टिबाधित बालक इंटर कॉलेज के छात्रावास की व्यवस्थाएं और सुदृढ़ होंगी। साथ ही विद्यार्थियों को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता में भी सुधार किया जाएगा। यह निर्देश प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने शुक्रवार को विद्यालय के निरीक्षण के दौरान दिए। मंत्री ने बताया कि विद्यालय स्थापना के समय बने छात्रावास की मरम्मत के लिए 40 लाख रुपये का बजट स्वीकृत है। इसके तहत कमरों में टाइल्स लगाने, डायनिंग हॉल के सुधार तथा क्षतिग्रस्त दरवाजे–खिड़कियों की मरम्मत का कार्य तेजी से चल रहा है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसर में चल रहे ग्राउंड डेवलपमेंट कार्य और नवनिर्मित स्मार्ट क्लास का भी अवलोकन किया तथा सभी कार्यों को निर्धारित समय–सीमा में पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों को तकनीक से जोड़कर गुणवत्तापरक शिक्षा देना समय की आवश्यकता है। डिजिटल कक्षाओं के माध्यम से आधुनिक और प्रभावी शिक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्यार्थी मुख्यधारा से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने स्वच्छ वातावरण पर जोर देते हुए परिसर की नियमित साफ–सफाई के निर्देश दिए। ठंड के मौसम को देखते हुए मंत्री ने शासन स्तर से जारी दिशा–निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने को कहा। उन्होंने कक्षा संचालन की समय–सारिणी, सुरक्षा और सुविधाओं से संबंधित सभी आदेशों के अनुपालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बीबीएयू ने बढ़ाया तनावमुक्त शिक्षा की ओर कदम

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की दिशा में एक सकारात्मक, दूरदर्शी और संवेदनशील पहल की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीतिद्2020 की भावना के अनुरूप बीबीएयू अब पढ़ाई के साथ–साथ विद्यार्थियों को मानसिक तनाव, परीक्षा दबाव और व्यक्तिगत चुनौतियों से उबरने के लिए प्रोफेशनल मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग उपलब्ध कराएगा। यह कदम न केवल छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें संतुलित, सक्षम और भविष्य के लिए मानसिक रूप से मजबूत बनाने में भी अहम भूमिका निभाएगा। इसके लिए स्टूडेंट काउंसलिंग सेंटर 'उम्मीद' में मनोवैज्ञानिक काउंसलर की नियुक्ति की जा रही है। इन नई पहल के तहत बीबीएयू के विद्यार्थियों को हफ्ते में दो दिन तीन घंटे की मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग की सुविधा मिलेगी। यह पूरी तरह गोपनीय और छात्र–केंद्रित होगी। परीक्षा तनाव, करियर कन्फ्यूजन और व्यक्तिगत समस्याओं पर इसका फोकस रहेगा। साथ ही जरूरत पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता कार्यक्रम भी होंगे। एनईपी 2020 में छात्रों के समग्र विकास पर विशेष जोर दिया गया है, जिसमें अकादमिक शिक्षा के साथ मानसिक और भावनात्मक संतुलन को अनिवार्य माना गया है। बीबीएयू की यह पहल छात्रों को सुरक्षित, सहयोगी और संवेदनशील शैक्षणिक वातावरण मुहैया कराएगी। विशेषज्ञों के अनुसार, नियमित काउंसिलिंग से छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ेगा और सीखने की क्षमता बेहतर होगी। बीबीएयू विद्यार्थियों के काउंसिलिंग के लिए संविदा मनोवैज्ञानिक काउंसलर की नियुक्ति कर रहा है। बीते शुक्रवार को योग्य अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया। इस पद के लिए न्यूनतम दो वर्ष का कार्य अनुभव और साइकोलॉजीध क्लिनिकलधबिहेवियरलधमेंटल हेल्थ साइकोलॉजी में मास्टर डिग्री के साथ काउंसलिंग या संबंधित विषय में पीजी डिप्लोमा रखने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

पछुआ की मार से कांपी राजधानी, 6.4 डिग्री लुढ़का दिन का पारा

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में शुक्रवार को मौसम ने अचानक यू–टर्न ले लिया। बृहस्पतिवार को जहां दिन भर तेज धूप खिली रही, वहीं शुक्रवार को सूरज के दर्शन नहीं हुए। सर्द पछुआ हवाओं और धूप के अभाव ने ठंड को और तीखा बना दिया। दिन के तापमान में 6.4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई, जिसके चलते मौसम विभाग ने शुक्रवार को अति शीत दिवस घोषित किया। सुबह से ही राजधानी घने कोहरे की चपेट में रही। दृश्यता घटकर महज 50 मीटर तक सिमट गई। 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली सर्द पछुआ हवाओं ने गलन बढ़ा दी, जिससे लोग दिनभर अलाव तापते नजर आए। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, अगले दो से तीन दिनों तक राजधानी में कोहरा और गलन से राहत मिलने की संभावना कम है। शुक्रवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5.5 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री की बढ़त के साथ 8.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शुक्रवार को राजधानी की हवा की गुणवत्ता भी बिगड़ गई। अलीगंज और लालबाग में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 के पार पहुंचकर लाल श्रेणी में दर्ज किया गया। तालकटोरा की हवा ऑरेंज श्रेणी में रही, जबकि अन्य इलाकों में हवा पीली श्रेणी में दर्ज की गई।

हिंदू जागरण सम्मेलन का आयोजन कल

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर स्थित दयाल रेजिडेंसी के प्रांगण में चार जनवरी को होने वाले हिंदू जागरण सम्मेलन के लिए शुक्रवार को बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता भाग कार्यवाह ज्योति प्रकाश ने की। बताया कि हिंदू जागरण सम्मेलन में काशी से आ रहे डॉ. पुंडरीक शास्त्री हिंदुत्व विषय पर व्याख्यान देंगे। दयाल बस्ती में जागरण यात्रा एवं प्रभात फेरी निकाली जाएगी। हिंदू जागरण समिति की ओर से दयाल रेजीडेंसी स्थित उमापति महादेव मंदिर परिसर में होने वाले इस आयोजन में राष्ट्रीय स्वयं संघ के पदाधिकारीगण शामिल होंगे। कार्यक्रम की शुरुआत चार जनवरी को सुबह 10रू30 बजे हनुमान चालीसा पाठ से होगी। इसके बाद संतों के मार्गदर्शन में भजन व प्रसाद का वितरण किया जाएगा। बैठक में भाग प्रचार प्रमुख विनोद, शिवसेवक, धर्म जागरण प्रमुख अशोक, सह नगर कार्यवाह अनूप, सामाजिक कार्यकर्ता सुशील कुमार बच्चा और हिमांशु शेखर पांडेय समेत अन्य स्वयंसेवक व सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हजरत अली की यौम-ए-पैदाइश की पूर्व संध्या पर सजीं महफिलें

लखनऊ, (संवाददाता)। पैगंबर–ए–इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के दामाद अमीरुल मोमीन हजरत अली की यौमे पैदाइश की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को शहर में कई जगहों पर महफिलों का आयोजन किया गया। विलादत की खुशी में घरों में नज्र का आयोजन हुआ और लोगों ने एक दूसरे का मुंह मीठा करा कर हजरत अली की विलादत का जश्न मनाया। हजरत अली की विलादत की पूर्व संध्या पर चौक स्थित इमामबाड़ा आगा बाकर में इदारा–ए–खुद्दामे मौलूदे हरम की ओर से जश्ने मौलूदे हरम शीर्षक से महफिल का आयोजन किया गया। महफिल का आगाज कारी नदीम नजफी ने कुरान की तिलावत से किया। अली मुत्तकी जैदी ने कहा कि हजरत अली अपने दुश्मनों से भी अच्छा बर्ताव करते थे। शायरों ने हजरत अली की शान में कलाम पेश किए। महफिल का संचालन नय्यर मजीदी ने किया। कटरा बिजन बेग स्थित अजाखाना नवाब अजमल हुसैन में आयोजित महफिले मकासिदा में मौलाना अब्बास इरशाद ने खिताब किया। कर्बला तालकटोरा में जश्ने मौलूदे काबा का आयोजन किया गया। महफिल में मौलाना फिरोज अब्बास नकवी और मौलाना इमरान हैदर ने खिताब करते हुए हजरत अली की फजीलत बयान की। हजरत अली की यौमे पैदाइश शनिवार को मनाई जाएगी। विलादत की खुशी में शहर के मुस्लिम इलाकों में जश्न का माहौल रहेगा। घरों में लोग मिठाइयों, जर्दा (मीठे चावल) और खीर पर नज्र दिला कर एक दूसरे का मुंह मीठा कराएंगे और आतिशबाजी कर हजरत अली की विलादत की खुशी मनाएंगे। इदारा–ए–वारिसे काबा की ओर से रात 8 बजे यौमे अली शीर्षक से काजमैन रोड स्थित शिया यतीम खाने में महफिले मकासिदा का आयोजन किया जाएगा। महफिल का उद्घाटन मौलाना हमीदुल हसन करेंगे। विलायत फाउंडेशन की ओर से रुस्तम नगर स्थित दरगाह वजीरबाग के इमाम ए जमाना हाल में दोपहर 2 बजे महफिले मकासिदा का आयोजन होगा। महफिल को जाकिर बाकर मशहदी खिताब करेंगे। वहीं, महमूद नगर स्थित मस्जिद मिर्जा जैना में मगरिब की नमाज के बाद महफिल को मौलाना यासूब अब्बास खिताब करेंगे।

लोहिया संस्थान में हो सकेगी हड्डी की मजबूती की जांच

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में अब हड्डी की मजबूती की जांच हो सकेगी। इसके लिए रेडियोडायग्नोसिस विभाग में पौने तीन करोड़ रुपये की बोन मिनरल डेंसिटी (बीएमडी) मशीन आ गई है। इस मशीन की सहायता से हड्डियों का घनत्व और उनकी ताकत मापी जा सकती है। यह परीक्षण ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारी की पहचान में बेहद अहम है। इस बीमारी में हड्डियां जरा सी चोट लगने पर बुरी तरह से टूट जाती हैं। यह मशीन मरीज को एक मेज पर लिटाकर जांच करती है। इसमें एक्सरे तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें देखा जाता है कि खनिज युक्त हड्डी, नरम ऊतक की तुलना में अधिक एक्स–रे अवशोषित करती है। इसके बाद इसका विश्लेषण किया जाता है। विश्लेषण के बाद मशीन हड्डी के घनत्व को बताती है। हड्डी के घनत्व में कमी को ऑस्टियोपेनिया और बेहद कमी को ऑस्टियोपोरोसिस कहा जाता है। ऑस्टियोपोरोसिस होने पर फ्रैक्चर के जोखिम का पता चलता है। बीएमडी मशीन से बिना दर्द के हड्डी में खनिज की मात्रा की जांच की जाती है। खनिजों की मात्रा कम होने का मतलब हड्डी का कमजोर होना है। इस प्रक्रिया में बिना हड्डी में छेद किए या फिर चीरा लगाए उसकी जांच हो जाती है। इसके बाद हड्डी को मजबूत बनाने का इलाज किया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश में आपदा प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने पर जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार के सचिव मनीष भारद्वाज ने शुक्रवार को पिकप भवन स्थित उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (स्हेक्ड) कार्यालय में विभागीय समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रदेश में विभिन्न प्राकृतिक आपदाओंकृजैसे बाढ़, अग्निकांड, हीटवेव, शीतलहरी, वज्रपात और भूकंपकृसे होने वाले जोखिम और क्षति को न्यूनतम करने के लिए समन्वित और आधुनिक प्रबंधन पर चर्चा हुई।श्री भारद्वाज ने कहा कि आपदा न्यूनीकरण के लिए राष्ट्रीय प्रातौगिकी संस्थानों से प्राप्त मॉडलों का उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा एनसीसी, भारत स्काउट गाइड, स्कूल–कॉलेज के विद्यार्थियों और आमजन को प्रशिक्षित कर आपदाओं से सुरक्षित रहने के उपायों के बारे में जागरूक किया जाएगा। उन्होंने यह भी प्रस्ताव रखा कि उत्तर प्रदेश के बाढ़ प्रभावित गांवों में नाविकों को ब्द प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें भारत सरकार का सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा। उनका उद्देश्य उत्तर प्रदेश को दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद की तर्ज पर फ्लड–फ्री राज्य बनाना है। बैठक में के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने प्रदेश में आपदा न्यूनीकरण, तैयारी, प्रतिक्रिया और पुनर्वास से जुड़ी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण, इंटर्नशिप कार्यक्रम, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सिटी हीट एक्शन प्लान और शहरी आपदा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य स्तर पर अत्याधुनिक इमर्जेंसी ऑपरेशन सेंटर की स्थापना की जा रही है और युवा आपदा मित्र परियोजना के तहत 25 जनपदों में लगभग 29,772 युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत बीकेटी में छात्राओं–छात्रों को किया गया जागरूक

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को थाना बीकेटी क्षेत्र के आदर्श इंटर कॉलेज, एयर फोर्स रोड, बक्शी तालाब में महिला सशक्तिकरण एवं सुरक्षा को लेकर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। "मिलकर हाथ बढ़ाएँ, मिशन शक्ति को सफल बनाएँ" के संदेश के साथ आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं, छात्रों और महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और साइबर अपराधों से बचाव के प्रति सजग बनाना रहा।दिनांक 02 जनवरी 2026 को आयोजित इस जागरूकता सत्र में थाना बीकेटी पुलिस टीम द्वारा मिशन शक्ति 5.0 एवं एंटी रोमियो अभियान के अंतर्गत "गुड टच" और "बैड टच" की जानकारी दी गई। इसके साथ ही महिलाओं की सुरक्षा, नारी स्वावलंबन, घरेलू हिंसा से संबंधित कानूनी प्रावधानों, साइबर अपराधों से बचाव और डिजिटल माध्यमों पर सतर्कता जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। छात्राओं और छात्रों को यह बताया गया कि किसी भी संदिग्ध या आपात स्थिति में वे बिना भय के पुलिस और संबंधित हेल्पलाइन से संपर्क कर सकते हैं।कार्यक्रम के दौरान यूपी कॉप ऐप, सीईआईआर पोर्टल और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने 112, 1090, 181, 1076, 101, 108 और साइबर हेल्पलाइन 1930 जैसे महत्वपूर्ण नंबरों की उपयोगिता समझाते हुए बताया कि इनका समय पर प्रयोग जीवन और सम्मान दोनों की रक्षा कर सकता है। साथ ही साइबर फ्रॉड, ओटीपी साझा न करने, अनजान लिंक पर क्लिक न करने, ऑनलाइन पेमेंट के दौरान सावधानी बरतने और तथाकथित "डिजिटल अरेस्ट" जैसी भ्रांतियों से दूर रहने के लिए भी बच्चों को जागरूक किया गया।इस अवसर पर बताया गया कि मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत लखनऊ कमिश्नरेट के सभी 54 थानों पर मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, जहां महिला निरीक्षक, अतिरिक्त निरीक्षक, उपनिरीक्षक और महिला उपनिरीक्षक की तैनाती की गई है। इन केंद्रों का उद्देश्य थानों पर आने वाली महिलाओं की समस्याओं का त्वरित, संवेदनशील और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करना है। मिशन शक्ति केंद्र के लिए जारी विशेष सीयूजी नंबर की जानकारी भी विद्यार्थियों को दी गई, ताकि वे भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर सीधे संपर्क कर सकें।कार्यक्रम में उपनिरीक्षक सुरेश चंद्र राजपूत, महिला आरक्षी रचना शर्मा और महिला आरक्षी रेशम रानी ने सक्रिय भूमिका निभाई। विद्यालय में उपस्थित लगभग 50 से 60 छात्र–छात्राओं और अध्यापिकाओं ने कार्यक्रम में भाग लिया और जागरूकता संदेश को गंभीरता से सुना। पंपलेट वितरित कर महिलाओं से जुड़ी योजनाओं और सुरक्षा उपायों की जानकारी भी साझा की गई।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 केवल एक अभियान नहीं, बल्कि महिलाओं और बालिकाओं में आत्मविश्वास, सुरक्षा और सम्मान की भावना विकसित करने की सतत प्रक्रिया है। यह पहल महिलाओं को उनकी शक्ति का अहसास कराती है और एक सुरक्षित, समान एवं न्यायपूर्ण समाज के निर्माण की दिशा में मजबूत नींव रखती है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों और महिलाओं को न केवल कानून की जानकारी दी जा रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सजग नागरिक बनने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।कार्यक्रम को महिला सुरक्षा, सम्मान और साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सार्थक कदम माना जा रहा है, जिसे आगे भी निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

एससी विद्युत विभाग का वेतन रोकने के निर्देश - जिलाधिकारी

संपूर्ण समाधान दिवस में अनुपस्थिति पर डीएम ने जताई नाराजगी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में सोमवार को तहसील सदर के कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 51 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 4 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जिलाधिकारी ने एससी विद्युत विभाग के अधिकारी की अनुपस्थिति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उनका वेतन रोकने के निर्देश दिए। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान शोभा देवी निवासी परगना हवेली सदर ने राजस्व निरीक्षक द्वारा पैमाइश न कराने के संबंध में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। इस पर

जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सदर, राजस्व निरीक्षक और लेखपाल को 10 जनवरी तक जांच कर पैमाइश सुनिश्चित करने और अवगत कराने के निर्देश दिए। इसी क्रम में, मल्हनी निवासी मेवालाल यादव ने चकमार्ग के सीमांकन को लेकर शिकायत की। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को नियमानुसार चकमार्ग की पैमाइश कराकर भूमि को कब्जा मुक्त कराने का आदेश दिया। एक संवेदनशील प्रकरण में, अपनी दादी के साथ आए दो बच्चों उन्नति और कुशल ने बताया कि उनके पिता की मृत्यु हो चुकी है और मां ने उन्हें छोड़ दिया है। बच्चों की आर्थिक स्थिति खराब होने पर जिलाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए जिला प्रोबेशन अधिकारी को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के तहत बच्चों को आच्छादित करने का निर्देश दिया, ताकि उनकी पढ़ाई बाधित न हो। उन्होंने बच्चों को टॉफी और कंबल भी वितरित किए। शाहगंज निवासी दिव्यांग मंत कुमार ने ट्राई साइकिल की आवश्यकता बताते हुए प्रार्थना पत्र दिया। जिलाधिकारी ने जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी को तत्काल ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। फरियादी श्रीमंत को तहसील दिवस में ही जिलाधिकारी द्वारा ट्राई साइकिल और कंबल प्रदान किया गया। दिव्यांग श्रीमंत ने जिलाधिकारी और शासन–प्रशासन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बेटियों की शिक्षा पर विशेष बल दिया। उन्होंने सभी लोगों से बेटियों को अवश्य पढ़ाने का आग्रह किया और कहा कि यदि उनकी शिक्षा में कोई बाधा आ रही है, तो प्रशासन को अवगत कराएं, किंतु बेटियों की पढ़ाई से किसी प्रकार का समझौता न करें।

निर्मला अस्पताल प्रकरण में पीड़ित पक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज

अयोध्या। शहर के निर्मला अस्पताल प्रकरण में अब नया मोड़ आया है। अस्पताल के निदेशक डॉ. आरके बनौधा की तहरीर पर पुलिस ने मृतका के बेटों और 20–25 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।उन्होंने एफआईआर में अस्पताल में तोड़फोड़ करने, आग लगाने की कोशिश करने व कर्मचारियों की पिटाई का आरोप लगाया है।दर्ज एफआईआर में डॉ. आरके बनौधा ने बताया कि 16 दिसंबर को एक मरीज की मौत लखनऊ के मैक्स हॉस्पिटल में हो गई थी।वह मरीज पूर्व में उनके अस्पताल में भर्ती थी। रात में मृतका के परिजन 'सुशील कौशल व सुनील कौशल के साथ लगभग 25–30 अज्ञात लोग आए। इन लोगों ने अस्पताल में घुसकर डॉक्टर व कर्मचारियों को मारा–पीटा और आग लगाने की कोशिश की थी। पुलिस के आने पर स्थिति नियंत्रण में आ गई थी।19 दिसंबर की शाम को लगभग आठ बजे अस्पताल की कर्मचारी चित्रा सोनकर व रानी ने बताया कि वह लोग साहबगंज से अस्पताल आ रही थीं।साकेतपुरी–शाहजहांपुर मोड़ पर काली गाड़ी में सुशील कौशल, उसके भाई और कुछ लोग बैठे थे। उन लोगों ने उनसे नाम पूछा और जातिसूचक गालियां देते हुए उनकी पिटाई की। इस संबंध मे प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या पंकज सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर दो लोगो व दो दर्जन से अधिक अज्ञात लोगो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

संक्षिप्त खबरें

Dr. Akhilesh has once again made Bharat proud

"Dr. Akhilesh, a prominent figure in Bharat/India and the World, has been appointed as the UNWHF-EIT-EU Ambassador to the United Nations and the European Union. This prestigious appointment recognizes his outstanding contributions to promoting sustainable solutions internationally and his dedication to addressing global challenges. Dr. Akhilesh has once again made Bharat/India proud internationally. Dr. Akhilesh has been appointed as the India-based Ambassador of the UNWHF-EIT-EU, an organization of the United Nations and the European Union. Dr. Akhilesh is the first Indian to hold this position. This is a significant moment of dignity and pride for India worldwide.""He received his higher education at Banaras Hindu University and world-class institutions, studying subjects such as statistics, management, and Six Sigma. A researcher with over 150 discoveries to his credit, he has become a successful scientist and international industrialist, and is also engaged in social service globally. Dr. Akhilesh is the eldest son of four siblings, both teachers. Through his hard work and passion, Dr. Akhilesh is achieving global recognition and bringing pride to the country.""Dr. Akhilesh has earned immense recognition in India and globally, enhancing India's prestige globally. He founded the solar energy industry in 2009. In his 17-year journey, he has established numerous industries in various countries and has achieved significant global recognition.""As an Ambassador, Dr. Akhilesh will play a key role in advancing international cooperation and policy discussions, advocating for the adoption of renewable energy. His leadership will focus on bridging gaps between nations, empowering communities, and ensuring a sustainable future for all. Addressing global challenges and addressing pressing issues such as poverty, terrorism, food, employment, mutual cooperation, global peace, environmental stewardship, industry, defense, and wildlife conservation. Dr. Akhilesh's vision aligns with UNWHF-EIT-EU's fundamental objective of accelerating the global transition to cleaner environmental zones. His expertise and passion will undoubtedly strengthen partnerships between countries and inspire collective action towards a greener, more resilient world.

शीतला चौकिया धाम में सरोवर को शुद्ध रखने के लिए लगाया गया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) लंबे समय से बंद पड़ा, अधिकारी बेखबर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित शीतला चौकिया धाम में सरोवर को शुद्ध रखने के लिए लगाया गया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) लंबे समय से बंद पड़ा है। जिला प्रशासन इस प्लांट को दोबारा चालू कराने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। यह डब्ल्यूटीपी वर्ष 2019 में सुंदरीकरण योजना के तहत स्वीकृत धन से स्थापित किया गया था। शुरुआत में कुछ दिनों तक चलने के बाद यह प्लांट बंद हो गया। वर्तमान में प्लांट खुद ही दुर्दशा का शिकार है और पानी शुद्ध करने के लिए बने चौंबर गंदगी से भरे हुए हैं। पूर्व में प्रदेश सचिव दयाशंकर मिश्र ने शीतला चौकिया के निरीक्षण के दौरान सरोवर में गंदा पानी जाने से रोकने और उसकी सुंदरता बढ़ाने के लिए कछुए व मछलियां छोड़ने की बात कही थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। परिणामस्वरूप, सरोवर के गंदे पानी और अन्य कारणों से कई बार में क्विंटल भर मछलियां मर गईं। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने भी सरोवर के पास पौधारोपण किया था, लेकिन उनकी नजर भी विकास कार्यों की इस दुर्दशा पर नहीं पड़ी। यह डब्ल्यूटीपी सात चौंबरों से मिलकर बना है। इसमें स्टार्टर पैनल से मोटर द्वारा सरोवर का गंदा पानी पहले चौंबर में खींचा जाता है। यहां से फिल्टर और अवसादन प्रक्रिया से गुजरते हुए पानी धीरे–धीरे सभी चौंबरों से होकर शुद्ध रूप में वापस सरोवर में गिरता है। नगरपालिका के ईओ पवन कुमार ने इस संबंध में बताया कि प्लांट दशहरे के आसपास चालू कराया गया था। उन्होंने कहा कि समस्या की जांच कराई जाएगी और कमी दूर कर इसे पुनः चालू किया जाएगा।

तेज नारायण पाण्डेय पवन ने नाबालिक बेटी के हत्यारे को गिरफ्तारी की मांग व पचास हजार रुपये की दिया आर्थिक सहायता

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या। सपा के पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने फैजाबाद की नाबालिक बेटी के साथ निर्मम हत्या पर घर पहुंच कर रू50000 कीआर्थिक सहयोग देते हुए दोषियों को तत्काल गिरफ्तारी की मांग किया।उन्होंने अयोध्या में नाबालिक बेटी की निर्मम हत्या किए जाने पर पीड़ित परिवार के घर जाकर पीड़ित परिवार से मिलकर हर सम्भव मदद का भरोसा दिलाया। इस मौके पर उन्होंने पीडित परिवार को रू50000 की नगद आर्थिक सहयोग देते हुए गहरा दुख व्यक्त किया।इस मौके पर उन्होंने तत्काल डीएम और एसएसपी से घटना के बारे में जानकारी लेते हुए दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा उन्होंने कहा एक नाबालिक बेटी के साथ निर्मम हत्या किया जाना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है।उन्होंने कहा भाजपा सरकार में जनपद अयोध्या में ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ रही है जो की बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने दोषियों को जल्द से जल्द पता लगाकर गिरफ्तार करते हुए कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और परिवार को 50 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए।जिससे परिवार का जीवन यापन हो सके उन्होंने कहा इस दुख की घड़ी में पूरी समाजवादी पार्टी इस परिवार के साथ खड़ी है और जहां भी जिस तरह की जरूरत होगी खड़े रहेंगे और हमारे अधिवक्ता साथी भी इस लड़ाई को कानूनी रूप से इस परिवार के साथ मदद करेंगे।महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर पारसनाथ यादव,महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव , महासचिव हामिद जाफ़ मीसम, उपाध्यक्ष संजय सिंह, प्रवीण राठौर,अधिवक्ता सभा राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट शावेज जाफरी एडवोकेट मंसूर इलाही, एडवोकेट रामकरण यादव, रितेश यादव, इस्तखार,अपर्णा जयसवाल , फरीद कुरैशी, इर्शाद इदरीसी, राशिद सलीम अली सईद खान, घुसी, जांबाज, कृष्णा निषाद, वीरेंद्र गौतम अजय यादव, जेपी यादव ललित यादव, आकिब खान, शाहबाज लकी,अनस खान,आदि लोग मौजूद रहे!!

संक्षिप्त खबरें

पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने परास्नातक (पीजी) सप्तम सेमेस्टर के चार प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं स्थगित

ब्यूरो प्रमुख /विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने परास्नातक (पीजी) सप्तम सेमेस्टर के चार प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। इन स्थगित परीक्षाओं के लिए नई तारीखें भी घोषित कर दी गई हैं। स्थगित की गई परीक्षाओं में 6 जनवरी को होने वाली उर्दू के क्लासिकल गजल, 7 जनवरी को होने वाली कॉमर्स एडवांस बिजनेस इकोनॉमिक्स, 19 जनवरी को होने वाली हिंदी के भक्ति कालीन काव्य, और 20 जनवरी को होने वाली भूगोल एनवायरमेंटल ज्योग्राफी तथा समाजशास्त्र के कंटेंपरेरी इंडियन सोसाइटी एंड कल्चर की परीक्षाएं शामिल हैं। ये परीक्षाएं अपरिहार्य कारणों से स्थगित की गई हैं। विश्वविद्यालय ने संशोधित परीक्षा कार्यक्रम जारी कर अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। छात्र विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट देख सकते हैं।यह जानकारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने सोमवार को दी।

आत्महत्या का ट्वीट करने वाला युवक को पुलिस ने लिया हिरासत में पूछताछ के बाद परिजनों को सौंपा

ब्यूरो प्रमुख / विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । यूपी के जौनपुर स्थित जफराबाद थाना अंतर्गत क्षेत्र के लल्लापुर का निवासी एक युवक को ट्विटर पर आत्महत्या का ट्वीट करने के मामले में पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया।युवक बीए का छात्र है। बाद में उसे परिजन को सौप दिया गया। ऊक्त गांव निवासी अमन यादव पुत्र प्रेम प्रकाश यादव के आईडी से ट्विटर पर एक ट्वीट किया गया जिसमें आत्महत्या कर लेने की बात कही गयी थी।इसकी जानकारी होते ही थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल ने तत्काल पुलिस टीम भेजा।युवक अपने घर पर मौजूद था।

पुलिस उसे तथा उसके पिता के साथ थाने ले आयी।थाने आकर युवक ने कहा यह पोस्ट उसने किया ही नही।उसके पिता प्रेमप्रकाश यादव ने कहा कि उसका पुत्र अमन सुबह से उसके साथ उसका दांत उखड़वाने गया था।पुलिस को अमन यादव ने लिखित बयान दिया कि वह कभी आत्महत्या करने की बात किया ही नही।न ही इस प्रकार की पोस्ट उसने किया है।वह अपने व परिवार के साथ खुशी है।यह पोस्ट कहा से हुई वह नही जानता। थाना अध्यक्ष ने बताया कि लड़के से बातचीत कर उनके परिजनों के साथ छोड़ दिया गया है। ट्विटर की जांच पड़ताल की जा रही है।

जौनपुर में हिंदू सम्मेलन आयोजित, आरएसएस शताब्दी वर्ष पर चर्चा

वक्ताओं ने जातीय भेदभाव खत्म कर भारत को विश्व गुरु बनाने का आह्वान किया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में मंडल कल्याणपुर स्थित सिंगुलपुर प्रांगण में सोमवार को एक हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष और महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्य वक्ता डॉ. आशुतोष मिश्र ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में चलाए जा रहे श्पंच परिवर्तनश कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। उन्होंने इसके विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी, जिसका उद्देश्य समाज में सनातनियों को जागरूक और संगठित करना है। डॉ. मिश्र ने कहा कि जब तक हिंदू सनातनी असंगठित रहेंगे, तब तक पुलवामा जैसी घटनाएं घटित होती रहेंगी। उन्होंने जोर दिया कि जातीय भेदभाव से ऊपर उठकर एकजुट होने पर ही भारत पुनः विश्व गुरु बन सकेगा। उन्होंने बताया कि पंच परिवर्तन के तहत लोगों की आपसी जातीय दूरियां खत्म कर उन्हें एक परिवार की तरह जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। संत प्रेम नाथ पाठक ने राष्ट्र हित, समाज हित और संस्कृति के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को सदैव प्रेरणा प्रदान करते हैं। विशिष्ट अतिथि बबिता सिंह ने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को सभी कार्यों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेना चाहिए, ताकि वे समाज में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। सम्मेलन की अध्यक्षता श्रीराम जन्म सिंह ने की, जिन्होंने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन मुकेश चंद्र जायसवाल ने किया। इस अवसर पर खंड कार्यवाह सिरकोनी हर्ष सिंह, शताब्दी विस्तारक अखिलेश जी, सतेंद्र जी, प्रधान फेरु राम जी सहित कई हिंदू जनमानस उपस्थित रहे। वक्ताओं ने सभी स्वयंसेवकों से सनातनियों को संगठित करने के साथ ही वृक्षारोपण कर पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहयोग करने का आह्वान भी किया।

रुदौली पुलिस ने विद्युत तार चोरी करने वाले गिरोह का किया खुलासा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। थाना कोतवाली रुदौली पुलिस टीम ने विधुत तार चोरी का वारदात करने वाले पाँच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से पाँच लाख रुपए की लागत से चोरी के विद्युत तार बरामद किए।इसका खुलासा पुलिस लाइन स्थित सभागार में एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने पत्रकार वार्ता के दौरान किया।उन्होंने बताया कि कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मनीष पांडे पुत्र राजाराम पांडे निवासी ग्राम परडी शाहगंज थाना इनायत नगर, कृष्ण कुमार पुत्र अमरनाथ निवासी कनकपुर सगरौली थाना तारुन, गंगा दीन पुत्र अंगद प्रसाद निवासी बन्नी पीपरी थाना बीकापुर,मनोज यादव पुत्र राम भवन यादव निवासी ग्राम शंकरपुर विक्रमजोत थाना छावनी जनपद बस्ती तथा आशीष साहू पुत्र अमर प्रसाद निवासी ग्राम पुरे जोधी शुक्ल का पुरवा थाना इनायत नगर नगर के रूप में हुई। बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मनीष पांडे का आपराधिक इतिहास भी रहा है। पुलिस ने फरार अपराधियों के गिरफ्तारी के लिए डेविस दे रही है और शीघ्र ही अन्य आरोपी पुलिस के चंगुल में होंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इन आरोपियों के पास से 13 बंडल एल्युमिनियम का तार 33 केवी, तीन फेस केविल एक बंडल, मोबाइल तथा घटना में प्रयुक्त पिकअप सहित अन्य सामान बरामद किया है। इस मौके पर सीओ रुदौली आशीष निगम के अलावा खुलासा करने वाली टीम में शामिल प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुदौली संजय मौर्य, निरीक्षक शत्रुघन यादव,उप निरीक्षक विपिन श्रीवास्तव,अभय प्रताप सिंह,अभिषेक सिंह,गजेंद्र कुमार के अलावा अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

जौनपुर में 8 डिग्री न्यूनतम तापमान, कड़ाके की ठंड

ब्यूरो प्रमुख /विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में कड़ाके की ठंड का प्रकोप जारी है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सोमवार को जिले का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रहा। ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। जिले में कोहरे से कुछ राहत मिली है, लेकिन आसमान में बादल छाए हुए हैं। सोमवार को आर्द्रता 78 प्रतिशत और वायु गुणवत्ता सूचकांक 74 दर्ज किया गया। हवाएं 6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थीं। रविवार को भी मौसम का मिजाज ऐसा ही रहा, जब अधिकतम तापमान 18 डिग्री और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। उस दिन आर्द्रता 84 प्रतिशत थी और AQI 61 था, जबकि हवा की गति 5 किलोमीटर प्रति घंटे थी। तेज हवाओं और ठंड के कारण सड़कों पर वाहनों की आवाजाही धीमी रही। रात में घने कोहरे से बसों और ट्रेनों का परिचालन भी प्रभावित हुआ, जिससे सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। ठंड का असर केवल इंसानों पर ही नहीं, बल्कि पशु–पक्षियों पर भी देखा जा रहा है। राज्य मौसम केंद्र के प्रभारी अतुल कुमार ने बताया कि तापमान में गिरावट के कारण प्रदेश के कई जिले ठंड की चपेट में हैं। उन्होंने आसमान में बादल छाए रहने और अधिकतम व न्यूनतम तापमान में और कमी आने की संभावना जताई है। कड़ाके की ठंड से किसानों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें फसलों की सिंचाई करने और पशुओं की देख–रेख में अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

दर्शन करने आई श्रद्धालु का तीस हजार नगद से भरा खोया बैग अयोध्या पुलिस ने वापस कर किया सराहनीय कार्य

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या। कोलकाता पश्चिम बंगाल से राधिका गोयनका नामक महिला अयोध्या दर्शन के लिए जा रही थी। इसी दौरान उसका बैग थाना पूरा कलंदर क्षेत्र में गिर गया। इस संबंध में सूचना प्राप्त होने पर प्रिया मिश्रा प्रभारी महिला रिपोर्टिंग चौकी थाना पूरा कलंदर द्वारा बैग को कब्जे में लेकर यात्री को खोजा गया। बैग में कोई भी संपर्क नंबर ना होने के बावजूद उपनिरीक्षक प्रिया मिश्रा ने अथक प्रयास कर यात्री को खोज निकाला। पुलिस द्वारा बैग में रखी हुई तीस हजार नगद राशि और अन्य आवश्यक कीमती सामान सुरक्षित रूप से श्रद्धालु को वापस कर दिया गया। श्रद्धालु ने बैग वापस मिलने पर पुलिस की प्रशंसा की और अयोध्या पुलिस प्रशासन का धन्यवाद व्यक्त किया।

राजधानी लखनऊ में जौनपुर के लाल वासु अग्रहरि का हुआ सम्मान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

लखनऊ। अवार्ड कैलेंडर लॉन्च इवेंट में जहां बॉलीवुड और राजनीतिक क्षेत्र से सेलिब्रिटियों का ताता लगा रहा वही जौनपुर का एक लाल मॉडलिंग के क्षेत्र में एक अलग मुकाम हासिल कर रहा है आपको बताते हुए चले की मछली शहर निवासी वासु अग्रहरि का सम्मान जौनपुर गौरव के रूप में हुआ एक्ट्रेस चाहट पांडे नव्या बोले वह बीजेपी नेता राहुल गुप्ता के हाथों से हुआ इस इवेंट में देश भर के लोग सम्मिलित होते हैं और उनकी प्रतिभा के अनुसार उनका सम्मान होता है उनको मंच मिलता है इसी क्रम में जौनपुर का यह लाल वासु अग्रहरि अपनी प्रतिभा के दम पर सम्मान हासिल किया। यह कार्यक्रम होटल गोल्डन ब्लॉसम लखनऊ में 4 तारीख की देर शाम आयोजित हुआ था।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।